N.E.W. SEMINARY अध्ययन मार्गदर्शिका

मछली के पेट से की गई प्रार्थना

पास्टर हून किम, 18 अक्टूबर 2026, योना 1:17-2:10

N.E.W. Church के पास्टर हून किम की शिक्षा। AI की सहायता से कोरियाई से अनुवाद किया गया। पूरी जाँच से पहले 11 नवंबर 2026 को साझा किया गया।

सुनने, डाउनलोड करने और साझा करने के लिए निःशुल्क: newexodusseminary.org/hi/2026-10-19-new-jonah-1-the-prayer-in-the-belly-of/

अध्ययन मार्गदर्शिका

अध्ययन मार्गदर्शिका: मछली के पेट में प्रार्थना

मूल सत्य

परमेश्वर मछली के पेट के समान संकट के समय और स्थानों को संप्रभुता से तैयार करते हैं, हमारा विनाश करने के लिए नहीं, बल्कि एक ऐसे गर्भ के रूप में जहाँ हमारा पुराना 'स्व' मर जाता है और हम अपने व्यक्तिगत परमेश्वर को पुकारने का शाही विशेषाधिकार पाते हैं, जो हम कौन हैं उसके अनुसार उत्तर देता है।

मुख्य पद

> “तब योना ने महा मच्छ के पेट में से अपने परमेश्वर यहोवा से प्रार्थना करके कहा,”
>
> योना 2:1 (IRV)

पृष्ठभूमि टिप्पणियाँ

1. **साहित्यिक ढाँचा और "रिक्त स्थान":** योना 2 एक उत्कृष्ट इब्रानी भजन है जो एक कथात्मक ढाँचे (1:17 और 2:10) के भीतर स्थापित है। जिस प्रकार सुलेख और सूक्ष्म काव्य सीधे तौर पर न कही जा सकने वाली बातों को व्यक्त करने के लिए "रिक्त स्थान" पर निर्भर करते हैं, उसी प्रकार योना की काव्यात्मक प्रार्थना उस बिन कही वास्तविकता को उजागर करती है कि परमेश्वर का वाचा-अनुग्रह योना को उस समय भी थामे हुए था जब वह अथाह गहराइयों में डूब रहा था।
2. **परमेश्वर ने ठहराया (*Manah*):** योना 1:17 में, जिस शब्द का अनुवाद "तैयार किया" या "ठहराया" किया गया है, वह इब्रानी क्रिया *manah* है। परमेश्वर सर्वोच्च संप्रभु के रूप में प्रकट होते हैं जो प्रकृति को आज्ञा देते हैं: उन्होंने बड़ी मछली को ठहराया, और बाद में अध्याय 4 में अपने सेवक को सिखाने के लिए एक पौधा, एक कीड़ा, एक प्रचंड पुरवाई हवा, और धूप को ठहराया।
3. **कब्र से गर्भ तक:** मूल भाषा में, मछली को 1:17a में पुल्लिंग (*dag gadol*) के रूप में प्रस्तुत किया गया है, लेकिन 1:17b और 2:1 में यह स्त्रीलिंग (*dagah*) में बदल जाती है। प्राचीन व्याख्याकार और इब्रानी विद्वान बताते

हैं कि मछली के पेट (*me'eh*) के लिए प्रयुक्त शब्द अक्सर आंतरिक अंगों या माँ के गर्भ को दर्शाता है, जो मछली को प्राण लेने वाले साधन से बदलकर आत्मिक नवीनीकरण के एक पालक-गर्भ में परिवर्तित कर देता है।
4. **दहलीज के रूप में तीन दिन:** पूरे पवित्र शास्त्र में, "तीन दिन" की अवधि एक ऐसी परीक्षा की भूमि को चिह्नित करती है जहाँ पुरानी पहचान समाप्त हो जाती है ताकि परमेश्वर का नया उद्देश्य आरंभ हो सके: मिस्र से सीनै पर्वत तक इस्राएल की जंगल की यात्रा (निर्गमन 19), मोरिय्याह पर्वत तक इब्राहीम की यात्रा (उत्पत्ति 22), और पृथ्वी के केंद्र में यीशु के तीन दिन (मत्ती 12:40)।

चर्चा के प्रश्न

1. **वचन को समझना:** जब योना को समुद्र में फेंका गया, तो परमेश्वर ने उसे डूबने देने या तुरंत सूखी भूमि पर पहुँचाने के बजाय एक बड़ी मछली क्यों भेजी? "तैयार किया" या "ठहराया" शब्द हमें परमेश्वर के उद्देश्य के बारे में क्या बताता है?
2. **विषयों की खोज करना:** मछली के भीतर तीन दिन और तीन रात योना के लिए किस प्रकार "स्वयं की मृत्यु" को दर्शाते हैं? यह निर्गमन में इस्राएल की तीन दिन की जंगल यात्रा और उत्पत्ति 22 में मोरिय्याह पर्वत की इब्राहीम की यात्रा के समानांतर कैसे है?
3. **हृदय की जाँच करना:** पास्टर किम ने किसी प्रसिद्ध व्यक्ति (जैसे किसी राजनीतिक नेता) के बारे में जानने और उसके साथ वास्तविक, दोतरफा संबंध होने के बीच तुलना की। जब आप प्रार्थना करते हैं, तो क्या आप परमेश्वर से केवल एक विचार के रूप में प्रार्थना करते हैं या वास्तव में "अपने परमेश्वर यहोवा" के रूप में? दोनों में क्या अंतर है?
4. **परमेश्वर की देखरेख पर मनन करना:** तुतलाते हुए बच्चे को सुनने वाली माँ के उदाहरण पर विचार करें। यह जानकर आपको कैसा सांत्वना मिलती है कि परमेश्वर सिद्ध और परिष्कृत धार्मिक शब्दों की माँग करने के बजाय आपके *अस्तित्व* और आपकी *पहचान* के अनुसार उत्तर देते हैं?
5. **व्यक्तिगत अनुप्रयोग:** आज आप किस प्रकार की "मछली के पेट" जैसी परिस्थिति का सामना कर रहे हैं? इस परीक्षा को एक सजा के बजाय "अनुग्रह का तैयार किया गया गर्भ" समझने से आपके प्रार्थना करने और परमेश्वर को प्रत्युत्तर देने के तरीके में क्या बदलाव आता है?

फ़ोन के लिए सारांश (WhatsApp)

जब जीवन आपको गहराइयों में फेंक दे, तो याद रखें कि परमेश्वर ने आपकी परिस्थितियों को आपका विनाश करने के लिए नहीं, बल्कि एक ऐसे गर्भ के रूप में तैयार किया है जहाँ आपका पुराना 'स्व' मर जाता है और नया जीवन आरंभ होता है। सच्ची प्रार्थना कोई बनावटी प्रदर्शन नहीं है; यह एक बच्चे का अपने प्रेमी पिता के पास दौड़कर जाना है। आज अपने परमेश्वर यहोवा को साहस के साथ पुकारें, जो आपके हृदय की तुतलाहट को सुनता है और आपको उत्तर देता है।
“तब योना ने महा मच्छ के पेट में से अपने परमेश्वर यहोवा से प्रार्थना करके कहा,” (योना 2:1, IRV)

शिक्षा की रूपरेखा

शिक्षण की रूपरेखा: मछली के पेट में प्रार्थना

मुख्य वचन: योना 1:17–2:10
मुख्य विचार: परमेश्वर गहरे संकट के स्थानों को हमारा विनाश करने के लिए नहीं, बल्कि एक ऐसे गर्भ के रूप में तैयार करते हैं जहाँ हमारा पुराना 'स्व' मर जाता है और हम अपने व्यक्तिगत परमेश्वर को साहसपूर्वक पुकारना सीखते हैं, जो हमें सुनता है और हम कौन हैं उसके अनुसार उत्तर देता है।

भाग 1: बिन कहे की सुंदरता (योना 1:17–2:1)

- **मुख्य सत्य:** परमेश्वर ने योना की प्रार्थना को पवित्र काव्य के रूप में सुरक्षित रखा, जहाँ बिन कहा पृष्ठभूमि, यानी परमेश्वर का निरंतर वाचा-प्रेम, स्वयं शब्दों की तुलना में अधिक जोर से बोलता है।
- **बाइबलीय अंतर्दृष्टि:** जिस प्रकार कोरियाई काव्य सौंदर्य में "रिक्त स्थान" (*yeobaek-ui mihak*) होता है, जहाँ प्रेमियों के बीच की साधारण मौन सहमति ही चाँद के तले सब कुछ कह देती है, उसी प्रकार योना की प्रार्थना एक विद्रोही नबी का पीछा करने वाली परमेश्वर की शांत, अथक दया से घिरी हुई है।
- **सहायक विज़ुअल:** विज़ुअल 1 (शीर्षक कार्ड: मछली के पेट में प्रार्थना)।

भाग 2: संप्रभुता से तैयार किया गया गर्भ (योना 1:17)

- **मुख्य सत्य:** जीवन के तूफान और संकट कोई अवांछित दुर्घटनाएँ नहीं हैं; परमेश्वर संप्रभुता से उस विशेष परिवेश को ठहराते हैं जहाँ वे हमसे मिलते हैं।
- **बाइबलीय अंतर्दृष्टि:** परमेश्वर ने मछली को "ठहराया" या "तैयार किया" (*manah*), ठीक वैसे ही जैसे बाद में उन्होंने पौधे, कीड़े, और झुलसाने वाली हवा को ठहराया (योना 4)। इब्रानी भाषा में, मछली व्याकरणिक रूप से पुल्लिंग से स्त्रीलिंग में बदल जाती है, जो पानी की कब्र के रूप में नहीं, बल्कि एक मातृत्व गर्भ (*me'im*) के रूप में कार्य करती है, ताकि नए सिरे से नियुक्त किए गए सेवक को जन्म दे सके।
- **सहायक विज़ुअल:** विज़ुअल 2 (संकल्पना: परमेश्वर ने मछली ठहराई)।

भाग 3: तीन दिन और तीन रात: स्वयं की मृत्यु (योना 1:17; 2:10)

- **मुख्य सत्य:** आत्मिक परिवर्तन के लिए हमारे पुराने 'स्व', आत्म-धार्मिकता, और हठीले घमंड की मृत्यु आवश्यक है।
- **बाइबलीय अंतर्दृष्टि:** "तीन दिन और तीन रात" का बाइबलीय विषय मरने और जी उठने की एक दहलीज को चिह्नित करता है:
- *निर्गमन:* इस्राएल जंगल में तीन दिन की यात्रा करता है ताकि अपनी दासता की मानसिकता को छोड़ सके और परमेश्वर को उन्हें अपना निज धन पुकारते हुए सुन सके (*segullah*, निर्गमन 19:5)।
- *उत्पत्ति 22:* इब्राहीम अपने सबसे प्रिय खजाने, इसहाक, को सौंपने के लिए मोरिय्याह पर्वत तक तीन दिन चलता है, जहाँ वह पुनरुत्थान का जीवन पाने से पहले अपने पुराने 'स्व' के लिए मरता है।

- *सुसमाचार:* यीशु "योना के चिह्न" को अपने स्वयं के गाड़े जाने और पुनरुत्थान के स्वरूप के रूप में इंगित करते हैं (मत्ती 12:40)।
- **सहायक विज़ुअल:** विज़ुअल 3 (समयरेखा / सादृश्यता: तीन दिन और तीन रात)।

भाग 4: "मेरे परमेश्वर" को पुकारना (योना 2:1–2)

- **मुख्य सत्य:** बाइबलीय प्रार्थना व्यक्तिगत वाचा-संबंध में गहराई से जुड़ी होती है, न कि किसी खोखले अनुष्ठान या जादुई उपाय में।
- **बाइबलीय अंतर्दृष्टि:** योना ने "अपने परमेश्वर यहोवा" (*Yahweh Elohayw*) से प्रार्थना की। मूर्तिपूजक मल्लाहों के विपरीत जो भय के मारे चिल्ला रहे थे, या उन नास्तिकों के विपरीत जो विस्मय का अनुभव तो करते हैं परंतु धन्यवाद देने के लिए उनके पास कोई नहीं होता, विश्वासी के पास एक पिता के पास दौड़कर जाने का शाही विशेषाधिकार है। जिस प्रकार एक माँ अपने नन्हे बच्चे की तुतलाहट को समझती है, उसी प्रकार परमेश्वर हमारे लड़खड़ाते शब्दों को समझते हैं और मसीह में हमारे अस्तित्व तथा पहचान के अनुसार उत्तर देते हैं।
- **सहायक विज़ुअल:** विज़ुअल 4 (मुख्य पद / संकल्पना: "अपने परमेश्वर" से प्रार्थना करना)।

समापन प्रतिक्रिया

- आज आप जिस कठिन परिस्थिति में हैं, उसे मृत्यु का कक्ष नहीं, बल्कि परमेश्वर द्वारा तैयार किया गया गर्भ समझें।
- अपने मानवीय प्रयासों, घमंड, और विद्रोह को यीशु के चरणों में डाल दें।
- पूरे भरोसे के साथ अपने परमेश्वर यहोवा को पुकारें, यह जानते हुए कि वह आपको जानता है, आपसे प्रेम करता है, और आपके प्राण को गड्ढे में से निकाल रहा है।

पवित्रशास्त्र के उद्धरण: इंडियन रिवाइज्ड वर्ज़न (IRV) हिंदी, कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 ब्रिज कनेक्टिविटी सॉल्यूशंस, क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरअलाइक 4.0 लाइसेंस (CC BY-SA 4.0) के अंतर्गत, eBible.org से। Scripture quotations: Indian Revised Version (IRV) Hindi, Copyright © 2017, 2018, 2019 by Bridge Connectivity Solutions, used under the Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 license (CC BY-SA 4.0), from eBible.org.